<u>प्रारम्भिक वक्तव्य</u>

माननीय सदस्य, पाँचवी झारखण्ड विधानसभा के चौथे (विशेष) सत्र में आप सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

सभा का पिछला सत्र जो अभी हाल-फिलहाल में ही समाप्त हुआ है और सत्र की छोटी सी अवधि में देश और विदेश के राजनीतिक पटल पर बहुत सारे परिवर्तन हो चुके हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जो0 वाइडेन की जीत और उनके साथ-साथ भारतीय मूल की श्रीमती कमला हैरिस के उप राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचन से अन्तर्राष्ट्रीय राजनैतिक पटल पर नई उम्मीदें जगी हैं।

बिहार विधानसभा के लिए आम चुनाव सम्पन्न हो गये हैं। इसी के साथ कई अन्य राज्यों में भी उप चुनाव सम्पन्न हुए हैं। कोरोना महामारी के दौर में चुनाव कार्यों का सम्पादन एक दुरूह कार्य था एवं चुनाव आयोग ने जिस प्रकार से इसे सफल कराया है, उसके लिए उसके पदाधिकारी एवं कर्मी बधाई के पात्र हैं। अपने राज्य झारखण्ड में भी दो सीटों के लिए विधानसभा के उप चुनाव हुए। दुमका सीट पर संवैधानिक बाध्यता के कारण माननीय मुख्यमंत्री द्वारा यह सीट रिक्त किये जाने पर एवं बेरमो सीट पर काँग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता स्व0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह जी के निधन के कारण उप चुनाव कराया गया। दुमका से श्री बसंत सोरेन एवं बेरमो से श्री कुमार जयमंगल (अनूव सिंह) की जीत के लिए हम उन्हें बधाई देते हैं और उम्मीद करते हैं कि अपने विधायी कार्यकाल के दौरान वे अपने क्षेत्र की जनता के लिए विधायी मंच सहित अन्य स्थानों से भी भरपूर मेहनत करके उनके सर्वांगीन विकास के लिए समर्पित रहेंगे।

माननीय सदस्यगण, अलग राज्य के रूप में झारखण्ड के निर्माण का आंदोलन यहाँ के अनुसूचित जनजातियों व विभिन्न समुदायों की अस्मिता और उनकी पहचान को लेकर भी था। आज से 20 वर्ष पूर्व इसी अस्मिता और पृथक पहचान को लेकर इस राज्य का निर्माण हुआ। यहाँ के अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों की वर्षों से यह माँग थी कि 10 वर्षों

के अन्तराल पर भारत सरकार की देखरेख में जो जनगणना करायी जाती है, उसमें धर्म के कॉलम में उनकी पृथक पहचान को स्वीकार किया जाय। आपको विदित है कि उन्हें अब तक यह पहचान नहीं मिल पाई है। उनकी सोच और भावनाओं को सम्मान देते हुए झारखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री, श्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार ने इस हेतु ठोस पहल करने का प्रयास किया है और इसी आलोक में इस सत्र को आहुत किया गया। आज सरकार के द्वारा इस निमित्त सदन में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा एवं अन्य निर्धारित विधायी कार्यक्रम कार्यसूची के अनुरूप होंगे। आपको धन्यवाद देते हुए मैं अब आगे की कार्यवाही को लेता हूँ।